Date
3/6/2020

Class-VII

2nd Lang Hindi

हिन्दी व्याकरण

CH:- क्रिया

जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं। जैसे
मोहित टहलता है ; गीता नृत्य करती है ।

उपरोक्त वाक्यों में 'टहलता है, करती है' से क्रिया के करने या होने का बोध होता है।

धातु :- क्रियाओं के मूल रूप धातु कहलाते हैं।
जैसे खा, दौड़, हँस, नाच, पढ़ इत्यादी ।

क्रियाओं के भेद :- (कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं) :-

i) अकर्मक क्रिया :- जिन क्रियाओं को कर्म की आवश्यकता नहीं होती, अर्थात कार्य का फल कर्ता पर पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे —
बच्चा रोता है ; नितिन सोता है ;
मधु हँसती है

उपरोक्त वाक्यों में कार्य का फल सीधे कर्ता पर पड़ता है। रोना, हँसना, मरना, डरना, जागना, सोना आदि अकर्मक क्रिया है।

ii) सकर्मक क्रिया :- सकर्मक का अर्थ है — कर्म के साथ। जिन क्रियाओं को कर्म की आवश्यकता होती है अर्थात कार्य का फल कर्म पर पड़ता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे —
अंकित खाना खा रहा है ; माली फूल तोड़ रहा है।

उपरोक्त वाक्यों में क्रियाओं का फल कर्ता पर न पड़कर सीधे कर्म पर पड़ रहा है। अतः 'खा रहा है' और 'तोड़ रहा है' सकर्मक क्रियाएँ है।

कर्म के आधार पर सकर्मक क्रिया के दो भेद हैं —

क) एककर्मक क्रिया - जिस क्रिया का एक कर्म हो, उसे एककर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे —
गौरव ने गीत गाया ; बच्चे ने दूध पीया

इन वाक्यों में 'गीत' और 'दूध' एक-एक कर्म हैं।
अतः इनकी क्रियाएँ एककर्मक हैं।

(ख) द्विकर्मक क्रिया :- जिस क्रिया के दो कर्म होते हैं, उसे द्विकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे —
राधा ने सौरभ को दूध पिलाया
शिक्षक छात्रों को गणित पढ़ा रहे हैं।

इन वाक्यों में दो-दो कर्म आए हैं। पहले वाक्य में 'सौरभ' और 'दूध' तथा दूसरे वाक्य में 'छात्रों' और 'गणित' कर्म हैं।

संरचना की दृष्टि से क्रिया के भेद छः होते हैं।

i) सामान्य क्रिया :- जब किसी वाक्य में एक ही क्रिया प्रयुक्त होती है, तो वह सामान्य क्रिया कहलाती है। जैसे — उसने देखा ; दादा जी गए

ii) संयुक्त क्रिया :- दो या दो से अधिक धातुओं के मेल से बनी क्रियाएँ संयुक्त क्रियाएँ कहलाती है। जैसे — मैं घर जाना चाहता हूँ
उसने शीशा तोड़ डाला

संयुक्त क्रियाओं में पहली क्रिया मूल क्रिया होती है। ऊपर के वाक्यों में 'जाना' और 'तोड़' मूल क्रिया

Date
Page No.

~~संज्ञ~~ नामधातु क्रिया :-

है। वाक्य में आने वाली अन्य क्रियाएँ अपना अर्थ खोकर उस मुख्य क्रिया में नवीनता या विशेषता ला देती है। इसलिए इन्हें रंजक क्रिया कहते हैं।
पहले वाक्य में 'चाहता' और दूसरे वाक्य में 'डाला' रंजक क्रियाएँ हैं।

(iii) नामधातु क्रिया :- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि से बनने वाली क्रियाएँ नामधातु क्रियाएँ हैं। जैसे -
संज्ञा शब्दों से - हाथ - हथियाना ; बात - बतियाना।
विशेषण शब्दों से - गर्म - गर्माना ; दोहरा - दोहराना।
सर्वनाम शब्दों से - अपना - अपनाना।
अनुकरणवाची शब्दों से - खटखट - खटखटाना ;
थरथर - थरथराना।

(iv) प्रेरणार्थक क्रिया :- जिस क्रिया से कर्ता के स्वयं कार्य का बोध न होकर किसी अन्य से कराए जाने का बोध हो, उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।
जैसे -
सेठ जी नौकर रामू से रिक्शा चलवाते हैं
घनश्याम दिनेश से काम करवाता है।

प्रेरणार्थक क्रियाओं के दो रूप होते हैं -

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
पीना	पिलाना	पिलवाना
हँसना	हँसाना	हँसवाना
घूमना	घुमाना	घुमवाना
जागना	जगाना	जगवाना

Date
Page No.

(v) पूर्वकालिक क्रिया :- मुख्य क्रिया से पहले किसी दूसरी क्रिया के प्रयुक्त होने पर, उस क्रिया को पूर्वकालिक क्रिया कहते हैं। जैसे
रवि मैच देखकर सो गया
पिताजी अखबार पढ़कर नाश्ता करने लगे।

इन वाक्यों में 'सो गया' और 'करने लगे' मुख्य क्रियाएँ हैं। इन क्रियाओं से पूर्व 'देखकर' और 'पढ़कर' क्रियाओं का प्रयोग हुआ है। ये पूर्वकालिक क्रियाएँ हैं।

(vi) कृदंत क्रिया :- जिस क्रिया में प्रत्यय जुड़ने पर क्रिया का नया रूप बनता है, उसे कृदंत क्रिया कहते हैं। जैसे -
चल + आ → चला ; सो + कर → सोकर

HOME-WORK

1) प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

(क) क्रिया किसे कहते हैं?
(ख) कर्म के आधार पर क्रिया के कितने भेद होते हैं? उनके नाम लिखिए।
(ग) संरचना की दृष्टि से क्रिया के भेदों के नाम लिखिए।
(घ) पूर्वकालिक क्रिया किसे कहते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
(ङ) नामधातु क्रिया किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।

(ख) संयुक्त क्रिया किसे कहते हैं ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।

2) निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाओं को रेखांकित कीजिए और उनके भेद (सकर्मक या अकर्मक) लिखिए :-

वाक्य	क्रिया - भेद
(क) रमेश पतंग उड़ाता है ।	अकर्मक क्रिया ।
(ख) रवि ने भिखारी को रोटी दी ।	
(ग) मेरा मित्र शहर गया है ।	
(घ) बिजली चमक रही है ।	
(ङ) वह बन्दर को देखकर डर गया ।	
(च) वह हँसता है ।	

3) निम्नलिखित वाक्यों की क्रियाओं में से मुख्य क्रिया और रंजक क्रिया छाँटकर लिखिए :-

वाक्य	मुख्य क्रिया	रंजक क्रिया
(क) मोहन ने पत्र लिख लिया ।	लिखा	लिया
(ख) रेशमा अब अंग्रेजी बोलने लगी है ।		
(ग) उसे भूख लग गई ।		
(घ) व्यापारी नगर की ओर चल पड़ा ।		
(ङ) रोहित बाजार चला गया था ।		

4) निम्नलिखित शब्दों की नामधातु क्रिया बनाइए :-

शब्द	नामधातु क्रिया	शब्द	नामधातु क्रिया
बात		हिनहिन	
रंग		खटखट	
हाथ		थपथप	
शर्म		थरथर	
अपना		लाज	

5) दिए गए वाक्यों में पूर्वकालिक क्रिया को रेखांकित कीजिए :-

(क) वह कहानी पढ़कर सो गया ।
(ख) राकेश टी.वी. देखकर पढ़ने बैठ गया ।
(ग) दादा जी हाथ धोकर खाना खाने लगे ।
(घ) पिता जी चाय पीकर कार्यालय चले गए ।
(ङ) नेता जी भाषण देकर चले गए ।
(च) नितिन किताब लेकर विद्यालय चला गया ।

6) निम्नलिखित धातुओं से प्रेरणार्थक क्रिया के दो रूप बनाइए :-

	धातु	प्रथम रूप	द्वितीय रूप
(i)	उठना	उठाना	उठवाना
(ii)	सोना		
(iii)	पीना		
(iv)	सुनना		
(v)	धोना		
(vi)	गिरना		